

## 66वाँ महापरनिर्वाण दविस

### प्रलमिस के लयि:

महापरनिर्वाण दविस, बौद्ध धरु, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, गोलमेज सम्मेलन

### मेनुस के लयि:

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संकषुपित परचिय एवं भारतीय समाज में उनका महत्तुवपूरुण योगदान

## चरुा में क्यौं?

हाल ही में प्रधानमंतुरी ने [महापरनिर्वाण दविस](#) पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को शरुद्धांजलि अरुपति की और देश के लयि उनकी अनुकरणीय सेवा को याद कयि।

## परनिर्वाण दविस क्युा है?

- परनिर्वाण जसि [बौद्ध धरु](#) के लकषुयों के साथ-साथ एक प्रमुख सदुधांत भी माना जाता है, यह एक संसुकृत का शबुद है जसिका अरुथ है मृत्यु के बाद मुकुत्ता अथवा मुकुषु है।
  - बौद्ध ग्रंथ [महापरनिर्वाण सुतुत \(Mahaparinibbana Sutta\)](#) के अनुसार, 80 वरुष की आयु में हुई [भगवान बुद्ध](#) की मृत्यु को मूल महापरनिर्वाण माना जाता है।
- यह 6 दसुंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर दुवारा दयि गए सामाजकि योगदान और उनकी उपलबुधुयिों को याद करने के लयि मनाया जाता है। [बौद्ध नेता](#) के रूप में डॉ. अंबेडकर की सामाजकि सुथतुति के कारण उनकी पुण्यतथुि को [महापरनिर्वाण दविस](#) के रूप में जाना जाता है।

## डॉ. भीमराव अंबेडकर:

- परचिय:
  - बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जनुम वरुष 1891 में महू, मध्य प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में हुआ था।
  - उनुहें 'भारतीय संवधिान का जनक' माना जाता है और वह भारत के पहले कानून मंतुरी थे।
    - वह संवधिान नरुिमाण की [मसौदा समतुति के अधुयकुष](#) थे।
  - डॉ. अंबेडकर एक समाज सुधारक, वधिवितुता, अरुथशासुतुरी, लेखक, बहुभाषावदि, मुखर वकुता, वदुवान और धरुमों के वचिरक थे।
  - उनुहोंने तीनुों गोलमेज सम्मेलनुों (Round Table Conferences) में भाग लयि।
  - वरुष 1932 में डॉ. अंबेडकर ने महातुमा गांधी के साथ [पुना पैकुट](#) पर हसुताकुषर कयि, जसिसे उनुहोंने दलति वरुगों (सांप्रदायकि पंचाट) हेतु पृथक नरुिवाचन मंडल की मांग के वचिर को ँडु दयि।
    - हालुांकु प्रांतीय वधिानमंडलुों में दलति वरुगों के लयि सुरकुषति सीटुों की संखुया 71 से बढुाकर 147 कर दी गई तथुा केंदुरीय वधिानमंडल (Central Legislature) में दलति वरुगों की सुरकुषति सीटुों की संखुया में 18 प्रतशित की वृदुधु की गई।
  - हलुिटन युंग कमीशन (Hilton Young Commission) के समकुष प्रसुतुत उनके वचिरुों ने [भारतीय रजुरिव बैंक](#) (Reserve Bank of India- RBI) की नीव रखने का कारुय कयि।
    - उनुहोंने वरुष 1951 में [हदुि कुड बलि](#) पर मतभेदुों के कारण कुैबनुिट से इसुतुीफा दे दयि।
    - उनुहोंने [बौद्ध धरुम अपना लयि](#)। 6 दसुंबर, 1956 को उनका नधिान हो गया। [ँतुय भूमा भुंबई में सुथतुि भीमराव अंबेडकर का सुमारक है](#)।
  - वरुष 1936 में वे वधिायक (MLA) के रूप में बॉम्बे वधिानसभा (Bombay Legislative Assembly) के लयि चुने गए।
  - वरुष 1942 में उनुहें एक कारुयकारी सदसुय के रूप में वायसराय की कारुयकारी परषिद में नयुकुत कयि गया था।
  - वरुष 1947 में डॉ. अंबेडकर ने सुवतंतुर भारत के पहले मंतुरमंडल में कानून मंतुरी बनने हेतु प्रधानमंतुरी जवाहरलाल नेहरु के नरुिंतरण को सुवीकार कयि।
  - हदुि कुड बलि (Hindu Code Bill) पर मतभेद को लेकर उनुहोंने वरुष 1951 में कुैबनुिट से इसुतुीफा दे दयि।

- उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया तथा 6 दिसंबर, 1956 (महापरनिर्वाण दिवस) को उनका नधिन हो गया।

## महत्त्वपूर्ण कार्य:

### ■ पत्रकारिता:

- मूकनायक (1920)
- बहष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

### ■ पुस्तकें:

- जातिप्रथा का वनिश
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
- बुद्ध और उनका धर्म
- हट्टि महिलाओं का उदय और पतन

### ■ संगठन:

- बहष्कृत हतिकारिणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचति जाति फेडरेशन (1942)

### ■ मृत्यु:

- 6 दिसंबर, 1956 को उनका नधिन हुआ।
  - मुंबई में स्थिति चैत्य भूमि बी. आर. अंबेडकर का स्मारक है।

### ■ वर्तमान समय में अंबेडकर की प्रासंगिकता:

- भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दिलितों ने [आरक्षण](#) के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, कति सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है।
- सांप्रदायिक धरुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक नैतिकता की अंबेडकर की दृष्टि को भारतीय संवैधान में स्थायी क्षति से बचाने के लिये धार्मिक नैतिकता का समर्थन किया जाना चाहिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनि दलों की स्थापना डॉ. बी आर अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ
3. स्वतंत्र लेबर पार्टी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

- द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया का गठन वर्ष 1947 में पुणे के केशवराव जेधे, शंकरराव मोरे और अन्य लोगों द्वारा किया गया था **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ की स्थापना वर्ष 1942 में बी आर अंबेडकर ने की थी और इस पार्टी ने वर्ष 1946 के आम चुनावों में भाग लिया था। **अतः 2 सही है।**
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (आईएलपी) का गठन भी वर्ष 1936 में बीआर अंबेडकर द्वारा किया गया था, जसिने बॉम्बे के प्रांतीय चुनावों में भाग लिया था। **अतः 3 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

????

प्रश्न: अपसारी उपगामों और रणनीतियों के होने के बावजूद, महात्मा गाँधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का दलितों की बेहतरी का एक समान लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahaparinirvan-diwas-2>

